कार्यशाला प्रतिवेदन दिनांक 25 मार्च, 2017

निदेशालय राजभाषा कियान्वयन समिति के द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2017 को **"**मानक वर्तनी और व्याकरण**"** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में निदेशालय के सभी श्रेणी के कार्मिकों ने भाग लिया। कार्यशाला में तीन सत्रों का आयोजन किया गया था। कार्यशाला की शुरूआत में श्री राम प्रसन्न मीना, हिन्दी अधिकारी ने मुख्य वक्ता डॉ. दिलीप मेहरा, प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, सरदार वल्लभ भाइ पटेल विश्वविद्यालय, विद्यानगर, आणंद का परिचय देते हुये उनका स्वागत किया तथा कार्यशाला से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। तत्पश्चात निदेशालय के कार्यकारी निदेशक डॉ. पी. मणिवेल ने मुख्य वक्ता का फूलों के गुलदस्ता द्वारा स्वागत किया और कार्यालय में हिन्दी के बढ़ते कदम की सराहना की।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में **"**मानक वर्तनी और व्याकरण**"** विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. दिलीप मेहरा ने गुजराती और हिन्दी के वर्तनी और व्याकरण में अंतर तथा होने वाली त्रुटियों पर प्रकाश डालते हुये सरल हिन्दी के प्रयोग करने पर बल दिया। पत्र लखन में होने वाली सामान्य त्रुटियॉ व उनका निवारण भी बताया।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता श्री राम प्रसन्न मीना ने **"**विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में हिन्दी का महत्व**"** विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुये बताया की मातृ भाषा हिन्दी कैसे वैश्वीकरण के दौर में भारत को अग्रिम पंक्ति में रखने में सहायक हो सकती है तथा विज्ञान एवं प्रद्योगिकी में कैसे अपना योगदान दे सकती है।

भोजन के पश्चात तृतीय सत्र में **"**हिन्दी निबंध प्रतियोगिता**"** का आयोजन किया गया, जिसमें निदेशालय के सभी श्रेणी के कार्मिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मूल्यांकन के पश्चात पूर्व निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार, कार्यकारी निदेशक डॉ. पी. मणिवेल एवं मुख्य वक्ता द्वारा विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा अन्य को सांत्वाना पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. वी. थोंडइमान, वैज्ञानिक, भाकृअनुप–औसपाअनुनि, बोरीआवी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का विधिवत समापन हुआ।

(स्रोत: कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई, **भाकृअनुप-औसपाअनुनि, आणंद**)